पावन जीवन चरित्र

श्रीश्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी महाराज जी का जीवन चरित्र

SGD

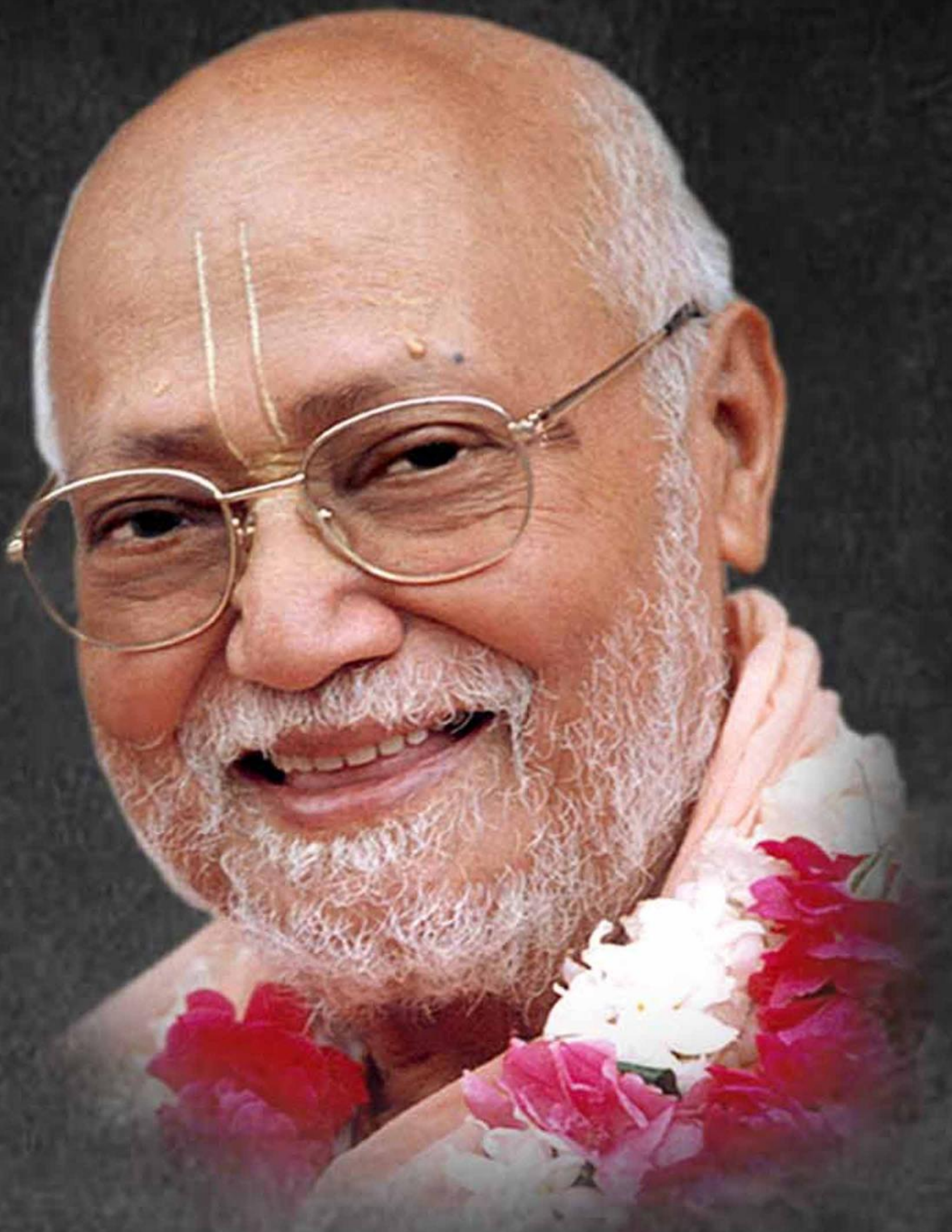

निखिल भारत श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ
प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठाता,
नित्यलीला प्रविष्ट ॐ 108
श्री श्रीमद् भक्ति दयित माधव गोस्वामी
महाराज विष्णुपाद जी के
प्रियतम शिष्य, त्रिदण्डिस्वामी
श्रीमद् भक्तिबल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज
जी द्वारा सम्पादित

SGD

तृतीय खण्ड

भाग – 5

हरिद्वार के पूर्ण-कुम्भ में श्रील गुरुदेव

श्रीलगुरुदेव

श्रील गुरुदेव जी के निर्देशानुसार पूर्ण-कुम्भ के उपलक्ष्य में 19 मार्च 1974 मंगलवार से 25 अप्रैल वृहस्पतिवार तक हरिद्वार के पन्तद्वीप में श्रीचैतन्य गौड़ीय मठ का शिविर लगाया गया। त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति विज्ञान भारती महाराज एवं त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति प्रसाद पुरी महाराज जी की चेष्टा से ही पन्तद्वीप में शिविर के लिये ज़मीन मिली थी। वहाँ की पूर्व व्यवस्था हेतु गये थे- महोपदेशक श्रीमद् मंगलनिलय ब्रह्मचारी, श्री

राधागोविन्द ब्रह्मचारी, श्री प्रेममय ब्रह्मचारी, श्री श्रीनिवास ब्रह्मचारी और श्री राधापद दासाधिकारी। आसाम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान एवं दक्षिण भारत से लगभग पाँच सौ भक्त-अतिथियों के शुभागम से शिविर भर गया।

श्रील गुरुदेव जी श्रीमद् भक्ति विज्ञान भारती महाराज जी को साथ लेकर जालन्धर से देहरादून पैसेन्जर में एवं संन्यासी और ब्रह्मचारी स्पेशल ट्रेन से यात्रा करते

हुये 9 अप्रैल की प्रातः ही हरिद्वार के इस शिविर में पहुँचे 18 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन श्रील गुरुदेव जी के आनुगत्य में भक्तजन नगर-संकीर्त्तन करते हुये शिविर से निकल कर ब्रह्मकुण्ड जाते तथा वहाँ स्नान आदि करके फिर ब्रह्मकुण्ड की परिक्रमा करते हुये नगर-संकीर्त्तन करते हुए ही शिविर में लौट आते। 14 अप्रैलमहाविषुव-संक्रान्ति पर मुख्य स्नान के दिन स्नान करने वालों की भीड़ कुछ ज्यादा होने पर भी भक्तों का स्नान-कार्य बिना किसी बाधा के ही सुसम्पन्न हुआ। एक दिन श्रील

गुरुदेव भक्तों के साथ श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर द्वारा संस्थापित श्रीसारस्वत गौड़ीय मठ का दर्शन करने के लिये गये। 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक श्रीमठ के शिविर में विशेष-सभाओं के अधिवेशनों में श्रील गुरुदेव जी ने दिव्य प्रवचन दिये। श्रील गुरुदेव जी ने वहाँ भगवद्-भजन कैसे हो सकता है व क्यों ज़रूरी है आदि विषयों पर प्रकाश डाला। श्रील गुरुदेव जी के निर्देशानुसार विशेष सभाओं में श्रीमद् भक्ति बल्लभ तीर्थ महाराज जी, श्रीमन् मंगलनिलय ब्रह्मचारी तथा

श्रीगौड़ीय संघ के त्रिदण्डि स्वामी श्रीमद् भक्ति कमल पर्वत महाराज जी ने भी भाषण दिया था । श्रीमद्भक्ति कमल पर्वत महाराज जी, जगाधरी के श्री बृजभूषण लाल जी, कलकत्ता के श्री मदनलाल गोयल जी, दिल्ली के श्री प्रह्लाद राय गोयल, हैदराबाद के सेट श्री सुन्दरमल जी तथा अजमेर के श्री वासुदेवशरण जी ने अलग-अलग दिनों में वैष्णव सेवा महोत्सव में सहयोग दिया था।

श्रीलगुरुदेव